00935

# MASTER OF LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE

## Term-End Examination
## December, 2010

## MLIS-E1 : PRESERVATION AND CONSERVATION OF LIBRARY MATERIALS

***Important Instruction :*** *This question paper should be attempted only by those candidates who have registered for MLIS before July, 2005.*

*Time : 3 hours* *Maximum Marks : 100*

***Note :*** *Attempt **all** questions. All questions carry **equal** marks. Illustrate your answers with suitable examples and diagrams, wherever necessary. Write relevant question number before writing the answer.*

**1.1** What are inherent causes of deterioration of paper? Discuss the paper making process.

**OR**

**1.2** Discuss various methods of conservation of library materials.

**2.1** Discuss Ranganathan's first law of library science, "books are for use" in the context of preservation and conservation of library materials.

**OR**

2.2 Enumerate different types of audio-visual materials and discuss the basic requirements for preservation of these materials.

3.1 Discuss the damages caused by micro-organisms and suggest suitable preservation measures for protection of library materials.

**OR**

3.2 Discuss how preventive conservation can increase the life and durability of books and other documents ?

4.1 What do you understand by reinforced binding? Discuss the materials used for reinforced binding.

**OR**

4.2 Discuss different types of binding materials with reference to standards suggested by IS-3050.

5. Write short notes on **any three** of the following (in about **300** words each).

(a) Papyrus as writing material.

(b) Silver fish.

(c) Preservation of micro-documents.

(d) De-acidification process.

(e) Adhesives in binding.

---

# पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि

## सत्रांत परीक्षा
## दिसम्बर, 2010

## एम.एल.आई.एस.- ई.1 : पुस्तकालय सामग्री का परिरक्षण तथा संरक्षण

***महत्त्वपूर्ण निर्देश :*** *यह प्रश्न पत्र केवल उन छात्रों के लिए है जिन्होंने एम एल आई एस में पंजीकरण जुलाई 2005 से पहले किया है।*

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट :*** ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं। अपने उत्तरों की पुष्टि के लिए उचित उदाहरण देते हुए आवश्यकतानुसार रेखाचित्रों का भी प्रयोग करें। उत्तर लिखने से पूर्व संबंधित प्रश्न-संख्या अवश्य लिखें।*

---

**1.1** कागज की विकृति के अन्तर्निष्ठ कारण क्या हैं? कागज निर्माण की प्रक्रिया की चर्चा कीजिए।

**अथवा**

**1.2** पुस्तकालाय सामग्रियों के संरक्षण (कॉन्सर्वेशन) की विभिन्न विधियों की चर्चा कीजिए।

2.1 'पुस्कालय सामग्रियों के परिरक्षण (प्रिजर्वेशन) तथा संरक्षण (कॉन्सर्वेशन) के परिप्रेक्ष्य में रंगनाथन द्वारा प्रतिपादित पुस्कालय विज्ञान के प्रथम नियम' पुस्तकें उपयोग के लिए हैं' की चर्चा कीजिए।

**अथवा**

2.2 विभिन्न प्रकार की दृश्य-श्रव्य सामग्रियों की परिगणना कीजिए तथा उन सामग्रियों के परिरक्षण हेतु आधारभूत अपेक्षाओं की चर्चा कीजिए।

3.1 सूक्ष्म जीवों द्वारा की जाने वाली क्षतियों की चर्चा कीजिए तथा पुस्तकालय सामग्रियों की सुरक्षा के लिए उपयुक्त रोधात्मक उपायों का सुझाव दीजिए।

**अथवा**

3.2 इस बात की चर्चा कीजिए कि रोधात्मक संरक्षण किस प्रकार पुस्तकों एवं अन्य प्रलेखों की आयु तथा स्थायित्व में वृद्धि कर सकता है?

4.1 सुदृढ़ जिल्दसाजी (रिइंफोर्सड् बाइंडिंग)से आप क्या समझते हैं? सुदृढ़ जिल्दसाजी के लिए प्रयुक्त सामग्रियों की चर्चा कीजिए।

**अथवा**

4.2 आई.एस.-3050 द्वारा प्रस्तावित मानकों के संदर्भ में विभिन्न प्रकार की जिल्दसाजीपरक-सामग्रियों की चर्चा कीजिए।

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए (प्रत्येक पर लगभग 300 शब्दों में)

(a) लेखन सामग्री के रूप में पपीरस

(b) सिल्वर फिश

(c) सूक्ष्म प्रलेखों का परिरक्षण

(d) निरम्लीकरण प्रक्रिया

(e) जिल्दसाजी में चिपकाने वाली सामग्री (अडेसिव)